ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218 PP. NO.- 236-238

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-15, No.- III, Issues-25, YEAR- July-Sept.-2022

बौद्धिक क्षमता एवं समायोजन–एक अध्ययन

1. डॉ0 अपर्णा शर्मा
2. निधी बाजपेयी

1. विजया राजे गवर्नमेंट गर्ल्स पी0जी0 कालेज, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर,
2. शोध अध्येत्री– जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म0प्र0) भारत

Received-09.08.2022, Revised-13.08.2022, Accepted-17.08.2022 E-mail: E-mail: nb334477@gmail.com

सारांश:– *व्यक्ति की बौद्धिक क्षमता उसे सामान्य प्राणियों से अलग करती है। व्यक्ति की बौद्धिक स्तर ही वह आधारशिला है, जिसके द्वारा ही व्यक्ति के अभिव्यिक्ति ग्रहणशीलता और प्रत्ययों का निर्माण होता है। समायोजन के क्षेत्र में भी व्यक्ति की बौद्धिक क्षमता एक मील का पत्थर साबित होती है और आने वाली समस्याओं को सुलझाने में एहम भूमिका का निर्वाह करती है।*

कुंजीभूत शब्द– *आधारशिला, अभिव्यिक्ति, ग्रहणशीलता, समायोजन, बौद्धिक क्षमता, बौद्धिक स्तर, बौद्धिक समाज ।*

बौद्धिक क्षमता–दैनिक जीवन में बुद्धि एक सामान्य शब्द है जिसका प्रयोग कई अर्थों में किया जाता है, वैयाक्तिक भिन्नता का विस्तृत अध्ययन करते समय हम यह देखेंगे कि कोई भी व्यक्ति बिल्कुल समान नहीं होता है। बालक के मानसिक योग्यता पर उसकी बुद्धि का प्रभाव पड़ता है। एक सर्वमान्य सत्य है कि बुद्धिमान व्यक्ति को जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त होती है। हम कह सकते हैं कि बुद्धि एक परिकल्पनात्मक शक्ति है। बुद्धि का उपयोग व्यक्ति विभिन्न समस्याओं को समझने और अधिगम करने में करता है।

बौद्धिक क्षमता उच्च स्तर पर अमूर्त तरीके से सोचने की क्षमता है यह एक समस्या को देखने और समाधान खोजने में सक्षम है, क्योंकि स्मृति, शब्दावली और संयाजन का उपयोग करके परिवर्तनों का आकलन करने के लिए एक अमूर्त विचारक के पास एक जटिल स्थिति को देखने की क्षमता होती है। किसी एक बौद्धिक क्षमता विभिन्न पहलुओं पर निर्भर करती है जैसे धारणा और आनुवंशिकी, स्मृति, शब्दावली द्रव और क्रिस्टलीकृत बुद्धि।

बौद्धिक क्षमता हमारे संज्ञान से निकलती है, अनुभूति वह तरीका है जिससे हम दुनियां को देखते हैं और निर्णय लेते हैं। धारणा किसी की बौद्धिक समझने की कुंजी है किसी व्यक्ति की आधे से अधिक अनुभूति आनुवंशिक से जुड़ी होती है। स्मृति बौद्धिक क्षमता का एक अहम पहलू है। मस्तिष्क में तीन प्रकार की स्मृति होती हैं संवेदी अल्पकालिन तथा दीर्घकालिक। सरल से जटिल कार्यों में स्मृति का उपयोग पूरा दिन लगातार किया जाता है।

बौद्धिक क्षमता शब्दावली समस्या समाधान कौशल से संबन्धित है। जैसे बढ़ी हुई शब्दावली वाले लोग जटिल प्रक्रियाओं को समझने और समझाने में सक्षम हैं। द्रव और क्रिस्टलीकृत बुद्धि रोजमर्रा की बातचीत के लिए मूल्यवान है। द्रव बुद्धि समस्या के बारे में जानकारी प्रदान करती है, जबकि क्रिस्टलीकृत बुद्धि समाधान प्रदान करती है।

समायोजन– समायोजन एक सतत् प्रक्रिया है, जिसके स्मरण माध्यम से व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति को प्रभावित करने वाली परिस्थितियों में सन्तुलन बनये रखता है, जब कोई व्यक्ति अपने व्यवहार–व्यक्तित्व को परिवर्तित करता है, यह प्रक्रिया समायोजन है। क्योंकि वह अपने स्वयं व वातावरण के बीच तालमेल बनाये रखता है। समायोजन साधक क्रियाओं में या व्यवहारों के सन्तुलन की स्थिति को कहते हैं। समायोजन व्यक्ति का प्रतिबिम्ब है जो आलपोर्ट के अनुसार वातावरण से वातावरण का अनूठा समायोजन निर्धारित करता है।

समायोजन व बौद्धिक क्षमता– समायोजन एक ऐसा पहलू है जो हमारे जीवन के प्रत्येक पहलू में अहम भूमिका निभाता है, विशेषता यह पाया जाता है कि समायोजन क्षमता का सकारात्मक व नकारात्मक दोनों ही प्रभाव जीवन में देखने को मिलते हैं। समायोजन किसी व्यक्ति को जीवन जीने की कला का ज्ञान कराते हैं, यदि समायोजन करने वाले व्यक्ति का बौद्धिक स्तर सामान्य से औसत के मध्य है तो समायोजन क्षमता के परिधाम सकारात्मकता के मिलते है और यदि बौद्धिक क्षमता निम्न व उच्च स्तर की है तो ज्ञान परिधाम में समायोजन क्षमता निम्न स्तर की अधिकांशतः नकारात्मक परिधाम मिलते हैं।

उद्देश्य–

1. बौद्धिक क्षमता का अध्ययन करना।
2. समायोजन स्तर का अध्ययन करना।
3. समायोजन स्तर पर बौद्धिक क्षमता के प्रभाव का अध्ययन करना।

शोध पद्धति

अध्ययन–प्रस्तुत शोध में उद्देश्यानुसार आदर्श का चयन उत्तर प्रदेश के जिला सीतापुर की पूर्व प्रौढ़ावस्था वर्ग की

अनुरूपी लेखक/संयुक्त लेखक

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-15, No.- III, Issues-25, YEAR- July-Sept.-2022

जनसंख्या से किया गया है, वर्तमान में सीतापुर नगर क्षेत्र '8' बार्डों में विभक्त है।

प्रतिदर्श का चुनाव–प्रस्तुत शोध कार्य में न्यादर्श का आधार उद्देश्यानुसार दैव निदर्श विधि है क्योंकि इसके अन्तर्गत प्रत्यक्ष रूप से सम्बन्धित व्यक्तियों से सम्पर्क किया गया है। अतः प्रस्तुत शोध में विभिन्न परिवारों के 150 स्त्रियों व 150 पुरूषों का चयन उद्देश्यानुसार दैव निदर्श विधि द्वारा किया गया है। शोध कार्य के तथ्यों के संकलन के लिए प्राथमिक स्त्रोत दोनों ही विधियों का चुनाव किया गया है।

प्रस्तुत शोध कार्य में वैवाहिक समायोजन सम्बन्धी मापनी P. Kumar and K. Rohatgi का तथा बौद्धिक क्षमता परीक्षा सम्बन्ध मापनी S. Jalota. group test of Intelligence का का प्रयोग किया गया है।

तथ्यों का विश्लेषघ एवं परिणाम–विभिन्न विवाहित स्त्रियों व पुरूषों के बौद्धिक स्तर के प्रतिशत को दर्शाने वाली तालिका–**ग्राफ सं0–1**

श्रेणी	प्रतिक्रियाएं			
	पुरूषों की संख्या	प्रतिशत	स्त्रियों की संख्या	प्रतिशत
निम्न वैवाहिक स्तर	16	10–67	20	13–33
सामान्य वैवाहिक स्तर	114	76–00	108	72–00
उच्च वैवाहिक स्तर	20	13–33	22	14–67
योग	150	100	150	100

ग्राफ –1 विश्लेषण

उक्त तालिका विभिन्न विवाहित स्त्रियों व पुरूषों के बौद्धिक स्तर के प्रतिशत को दर्शा रही है, जिसके कुल 150 स्त्रियाँ व कुल 150 पुरूष है। जिनको तीन श्रेणियों में बांटा गया है। निम्न बौद्धिक स्तर, समान्य बौद्धिक स्तर व उच्च बौद्धिक स्तर की स्त्रियाँ–16 तथा पुरूष 20 हैं। जिनका प्रतिशत लगभग 10–67 तथा 13–33 है। सामान्य बौद्धिक स्तर की स्त्रियाँ 114 तथा पुरूष 108 हैं जिनका प्रतिशत 76–00 तथा 72–0 है। उच्च बौद्धिक स्तर की स्त्रियाँ 20 तथा पुरूष 22 हैं, जिनका प्रतिशत 13–33 तथा 14–67 है। अतः तालिका में सामान्य बौद्धिक स्तर की स्त्रियों व पुरूषों का प्रतिशत अधिक है।

वैवाहिक स्त्रियों एवं पुरूषों के समायोजन एवं बौद्धिक स्तर के प्रभावों को दर्शाने वाली तालिका–

चर	स्त्रियाँ				पुरूष			
	माध्य	मानक विचलक	t	p	माध्य	मानक विचलक	t	p
वैवाहिक	20–90	3–17	2.587	<0-05	21–95	2–75	2.652	<0-05
समायोजन	34–03	6–09			36–15	5–68		
सामाजिक बुद्धि परीक्षा								

उक्त तालिका–वैवाहिक स्त्रियों एवं पुरूषों के समायोजन एवं बौद्धिक स्तर के प्रभावों को दर्शाने वाली तालिका से सम्बन्धित है। जिसमें वैवाहिक समायोजन व सामाजिक बुद्धि परीक्षा चरों का अंकन किया गया है, जिसमें विवाहित स्त्रियों का वैवाहिक समायोजन सम्बन्धी माध्य–20–90 मानक विचलन 3–17 तथा समायोजन बुद्धि परीक्षा से सम्बन्धित माध्य 34–03, मनक विचलन 2–75 तथा समायोजन बुद्धि परीक्षा से सम्बन्धी माध्य 36–15 तथा मानक विचलन–5–68 है।

विश्लेषण–शोध कार्य के समय एकत्रित किये गये आंकडों के परीक्षणों द्वारा ज्ञात हुआ कि विवाहिक समायोजन निम्न अथवा उच्च बौद्धिक स्तर सामान्य स्तर का है, उनका वैवाहिक समायोजन निम्न अथवा उच्च बौद्धिक स्तर के विवाहित स्त्रियों व पुरूषों से अधिक है।

वैवाहिक समायोजन व बौद्धिक स्तर का घनिष्ठ सम्बन्ध है। दोनों ही एक दूसरे को प्रभावित करते हैं अर्थात् समायोजन के माध्यम से व्यक्ति अपने आवश्यकताओं की पूर्ति को प्रभावित करने वाली परिस्थितियों में सन्तुलन बनाये रखता है। साथ ही साथ बुद्धि का प्रयोग व्यक्ति समस्या को समझने व निराकरा करने हेतु करता है। बौद्धिक क्षमता व्यक्ति को अनेकों परिस्थितियों में अधिगम करने में भी मदद करती है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. Allen, K- Sheema, (2005)- Emotional Stability among college youth- Jouranl of Indian Academy Psychol ogy, Roskam& Isabella-Journal of Psychology of Education, 2002, val- 17 (3) p 203&220.
2. भटनागर, सुरेश : बाल विकास एवं पारिवारिक संबंध, आर0लाल बुक डिपो, मेरठ, 1992–93.

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-15, No.- III, Issues-25, YEAR- July-Sept.-2022

3. भार्गव, मेहश एवं अरूणा अग्रवाल : मानव विकास का मनोविज्ञान, भार्गव बुक हाउस, आगरा, 1990.
4. Gehlawat, M (2011) A study of Adjustment Among High School Students in Relation their Gender, International Referred research Journal] val- Issue-3.
5. Burt Ciril : intelligence and social mobility, British Journal of Statistical Psychology, 1959, P- 12-23.

*****